लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 12 September 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

कनाडा पहुंचेगी किस्सागोई, गूंजेंगे लखनवी अफसाने

विजिटिंग रिसर्च स्कॉलर के तौर पर लविवि से जुड़ेंगी कंकोर्डिया यूनिवर्सिटी की शिक्षक डॉ. पीयूष चटर्जी

सचिन त्रिपाठी

लखनऊ। बाग, बाजार, नजाकत, नफासत और अफसानों का शहर अब कनाडा की धरती पर अपनी पहचान बिखेरने जा रहा है। इतिहास की मोटी किताबों से दूर यहां की गलियों में किस्सागोई के रूप में दर्ज ऐतिहासिक तराने अब विदेशी सरजमीं पर भी गूंजेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने भले ही अभी औपचारिक रूप से मौखिक इतिहास और किस्सागोई की पढ़ाई नहीं शुरू की है, पर विदेशों यह उभरता हुआ विषय है। इसी के तहत कनाडा की कंकोर्डिया यूनिवर्सिटी की शिक्षक विजिटिंग रिसर्च स्कॉलर के तौर पर लखनऊ विश्वविद्यालय आ रही हैं। लविवि में मंगलवार को होने वाली एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इस पर मुहर लगने वाली है।

एकेडमिक काउंसिल की बैठक में आज दी जाएगी स्वीकृति

कंकोर्डिया यूनिवर्सिटी में सेंटर फॉर ओरल हिस्ट्री एंड डिजिटल स्टोरीटेलिंग की कोऑर्डिनेटर डॉ. पीयूष चटर्जी ने लविवि की इंटरनेशनल सेल के माध्यम से अपना आवेदन दिया है। अपने प्रस्ताव में उन्होंने लविवि आकर लखनऊ में ओरल हिस्ट्री और स्टोरीटेलिंग पर काम करने की बात कही है। इस तरह न सिर्फ इस विधा का विकास होगा, बल्कि विदेशों तक इसकी पहुंच होगी। स्टोरीटेलिंग जिसे लखनऊ में किस्सागोई के नाम से जाना जाता है, उसके ऊपर अभी तक इतनी व्यवस्थित रूप में काम नहीं हुआ है। पद्मश्री योगेश प्रवीन ने जरूर अपनी किताबों और किस्सों के माध्यम से इस विधा को आगे बढ़ाया है। हालांकि, लविवि या फिर किसी अन्य शिक्षण संस्थान ने अभी तक न तो इस पर कोई सेंटर शुरू किया है और ना ही इस पर आधारित किसी पाठ्यक्रम की शुरुआत की है। ऐसे में विजिटिंग रिसर्च स्कॉलर के आने के बाद इस दिशा में भी कदम बढ़ने की उम्मीद है। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार लविवि अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। इस तरह के प्रयासों से इसकी उपलब्धियों में और इजाफा होगा।

जानें क्या है मौखिक इतिहास और किस्सागोई

इतिहास में दर्ज कई तथ्यों पर इतिहासविदों में कई बार मतभेद देखने को मिलते हैं। ऐसे में मौखिक इतिहास को प्रामाणिक इतिहास के रूप में मान्यता मिलनी शुरू हुई है। मौखिक इतिहास में किसी क्षेत्र विशेष की कहावतें, किस्से, कविताओं आदि को आधार बनाया जाता है। इसके पीछे तर्क यह है कि भले ही सत्ता पर काबिज लोगों ने इतिहास के साथ छेड़छाड़ कर दी हो, लेकिन वे जनभावनाओं को प्रभावित नहीं कर पाए होंगे। इस तरह से मौखिक इतिहास भले ही किताबों में दर्ज नहीं हुआ हो पर सत्य के ज्यादा नजदीक हो सकता है। किस्सागोई इस इतिहास या फिर इस तरह की कहानियों को सुनाने की एक कला है।

आज नए पीएचडी आर्डिनेंस के साथ बदलावों पर लगेगी मुहर

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नए पीएचडी आर्डिनेंस के साथ ही स्नातक में होने बदलावों पर मंगलवार को मुहर लग जाएगी। इसके बाद विवि में ट्विन, डुअल व जॉइंट डिग्री की शुरुआत हो जाएगी। विवि में एकेडमिक काउंसिल की बैठक में सभी संकायों से पास हुए प्रस्तावों को मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

लविवि ने विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू करके ट्विन, डुअल और ज्वाइंट डिग्री की रूपरेखा तैयार की है। ट्विन, डुअल और जॉइंट डिग्री कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को लविवि के साथ ही अन्य विवि में पढ़ाई करने का मौका मिलेगा, साथ ही डिग्री पर भी इसका उल्लेख होगा। इसी तरह लविवि ने स्नातक स्तर पर विभिन्न वोकेशनल

एकेडमिक काउंसिल की बैठक में मंजूर किए जाएंगे कई प्रस्ताव

पाठ्यक्रमों को शामिल किया है। इनको भी एकेडमिक काउंसिल के सामने मंजूरी के लिए रखा जाएगा। लविवि ने यूजीसी के नए रेग्युलेशन के हिसाब से अपना पीएचडी आर्डिनेंस तैयार किया है। इसके अनुसार नेट-जेआरएफ पास अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा से छूट, महिला व दिव्यांग अभ्यर्थियों को थीसिस जमा करने के लिए अतिरिक्त समय देने संबंधी प्रावधान किए गए हैं। इन्हें भी मंजूरी के लिए रखा जाएगा। इंटरनेशनल फैकल्टी व स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम का मसौदा रखने के साथ ही विजिटिंग रिसर्च पोजीशन के लिए एक स्कॉलर के आने का प्रस्ताव भी रखा जाएगा।

नहीं मिला पूरा एजेंडा : एकेडमिक काउंसिल की बैठक में शिक्षकों को विभिन्न शैक्षणिक मुद्दों निर्णय लेना है, लेकिन उनके सामने विस्तृत एजेंडा बैठक के दौरान ही रखा जाएगा। शिक्षकों को सिर्फ एजेंडा की समरी दी गई है। सामान्य प्रक्रिया में सदस्यों को पूरा एजेंडा दिया जाता है, जिसे पढ़ने के बाद शिक्षक इस पर चर्चा करते हैं और कोई निर्णय लेते हैं। अब महज कुछ समय तक चलने वाली बैठक में करीब एक हजार पेज वाले एजेंडे पर कोई चर्चा आखिर कैसे होगी।

जाहिर है पहले से ही बने एजेंडे पर बिना बहस सहमति बन जाएगी। पहले जारी व्यवस्था में शिक्षकों को या तो हार्ड कॉपी में पूरा एजेंडा दिया जाता था या फिर गूगल ड्राइव के माध्यम से उनको ईमेल से इसे उपलब्ध कराया जाता था। इस बारे में शिक्षकों का कहना था कि इस नई परंपरा की वजह से एजेंडे पर पूरी चर्चा नहीं हो पाती है।

पीजी :14 विषयों में तीसरा सीट आवंटन आज

नौ विषयों में चौथी बार आवंटित होंगी सीटें, 14 तक फीस जमा करने का मौका

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लविवि में परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के तहत में मंगलवार को 14 विषयों में अभ्यर्थियों को सीट आवंटन जारी किया जाएगा। अभ्यर्थी लविवि की वेबसाइट पर लॉगइन व पासवर्ड के माध्यम से सीट आवंटन का विवरण देख सकेंगे। सीट पाने वाले अभ्यर्थियों को 14 सितंबर तक फीस जमा करने का मौका मिलेगा। प्रवेश समन्वयक कार्यालय की सूचना के मुताबिक परास्नातक के 14 विषयों के लिए तीसरा, नौ विषयों के लिए चौथा व चार विषयों पांचवां सीट आवंटन जारी होगा। अभ्यर्थी दोपहर 12 बजे के बाद अलॉटमेंट देख सकते हैं।

दोपहर 12 बजे के बाद अलॉटमेंट देख सकते हैं अभ्यर्थी

■ **इन विषयों में होगा सीट आवंटन** : एमएससी कंप्यूटर साइंस, फॉरेंसिक साइंस, भौतिक विज्ञान, प्राणि विज्ञान और बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस में तीसरा सीट आवंटन जारी होगा। एमए मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र, भूगोल, भू-विज्ञान, हिंदी, अस्पताल प्रबंधन, लोक प्रशासन, समाज कार्य और एमआईएच में भी तीसरी बार सीटें आवंटित होंगी। इसी तरह एमए व एमएससी के नौ विषयों में चतुर्थ सीट अलॉटमेंट घोषित किया जाएगा। एमकॉम, एमपीएच में पांचवां सीट आवंटन होगा।

प्रोफेशनल कोर्स : मेरिट आज, कल से काउंसिलिंग

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग सहित अन्य प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए मंगलवार को मेरिट सूची जारी की जाएगी और बुधवार से काउंसिलिंग शुरू होगी। लविवि में बीटेक, बीफार्मा और एमसीए में एडमिशन के लिए पंजीकरण प्रक्रिया सात सितंबर को समाप्त हो चुकी है। प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में बीटेक की 480 सीटों पर 2600, बीफार्मा की 100 सीटों पर 300 और एमसीए की 30 सीटों पर 145 आवेदन आए हैं। बीटेक में प्रवेश के लिए जेईई मेंस और बीफार्मा व एमसीए में सीयूईटी के अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। लविवि की ओर से आधिकारिक वेबसाइट पर यह पूरी कटऑफ जारी होगी। (संवाद)

शिया कॉलेज में जारी होगी एलएलबी की मेरिट

लखनऊ। शिया पीजी कॉलेज में एलएलबी तीन वर्ष पाठ्यक्रम की मेरिट सूची मंगलवार को कॉलेज की वेबसाइट पर जारी की जाएगी। मेरिट सूची में शामिल विद्यार्थियों की काउंसिलिंग 19 सितंबर से होगी। मेरिट सूची में शामिल अभ्यर्थियों को 18 सितंबर तक कॉलेज की वेबसाइट पर ऑनलाइन फीस जमा करनी होगी। यहां 320 सीटों के सापेक्ष 3250 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। जिन विद्यार्थियों के पास ऑनलाइन माध्यम नहीं है, वे कॉलेज चालान प्राप्त कर ऑफलाइन फीस जमा कर सकते हैं। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप शर्मा के मुताबिक काउंसिलिंग में अभ्यर्थियों हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक की मार्कशीट, प्रवेश फार्म का प्रिंट आउट व चार फोटोग्राफ लाने होंगे। (संवाद)

जनप्रतिनिधियों ने जानी लविवि की प्रगति

शासन से नामित सदस्यों के साथ बैठक करते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय। -संवाद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन की ओर से नामित विधान परिषद एवं विधानसभा सदस्यों की टीम ने सोमवार को लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार के साथ बैठक कर विवि की प्रगति व यहां चल रहीं छात्रहित की गतिविधियों की जानकारी ली। कुलपति ने सदस्यों को लविवि की उपलब्धियों जैसे नैक में ए प्लस प्लस, एनआईआरएफ, टाइम्स हायर एजुकेशन में स्थान प्राप्त करने आदि के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि लविवि के छात्र विश्व पटल पर अपनी प्रतिभा बिखेर रहे हैं। इस पर सभी सदस्यों ने खुशी व्यक्त करते हुए विवि को छात्रों के बीच और अधिक लोकप्रिय कैसे बनाया जाए, इसपर सुझाव दिए। बैठक में एमएलसी पवन सिंह चौहान, आशीष कुमार सिंह, सदस्य विधान सभा रविदास मेहरोत्रा, अदिति सिंह, योगेश शुक्ला व बंबालाल दिवाकर समेत विश्वविद्यालय के अधिकारी व शिक्षक उपस्थित रहे। (संवाद)

लविवि प्रोफेसर को 30 लाख का अनुदान

लखनऊ। लविवि के रसायन विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नीरज कुमार मिश्र को विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान की ओर से लेट-स्टेज सिंथेसिस ऑफ हेटेरोसाइक्लिक ड्रग कैंडिडेट्स वाया एलीलेशन और एनाल्यूशन यूजिंग 4-डी ट्रांजिशन मेटल्स विषय पर परियोजना के अंतर्गत 30 लाख रुपये का अनुदान दिया गया है। डॉ. नीरज को दो माह पूर्व भी एक अनुसंधान के लिए 30 लाख रुपये स्वीकृत हो चुके हैं। इस तरह उन्हें अब तक 60 लाख अनुदान मिल चुका है। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. आलोक राय ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। (संवाद)

NBT PAGE 6

LU : पीजी के कई विषयों में सीट आवंटन आज

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** एलयू में परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के तहत कई विषयों में सीटों का आवंटन मंगलवार को जारी कर दिया जाएगा। वहीं अभ्यर्थियों को 14 सितंबर तक फीस जमा करने का मौका मिलेगा। एलयू प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एमएससी कंप्यूटर साइंस, फरेंसिक साइंस, भौतिक विज्ञान, प्राणि विज्ञान और बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस, एमए मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र, भूगोल, भू-विज्ञान, हिंदी, अस्पताल प्रबंधन, लोक प्रशासन, समाज कार्य और एमआईएच में तीसरी बार सीटें आवंटित होंगी। वहीं एमए व एमएससी के नौ विषयों में चौथा सीट अलॉटमेंट किया जाएगा। इसके अलावा एमकॉम, एमपीएच में पांचवां सीट आवंटन किया जाएगा। 14 सितंबर की रात 12 बजे तक ऑनलाइन फीस जमा की जा सकती है। एलयू की वेबसाइट पर पीजी ऐडमिशन विकल्प में जाकर अभ्यर्थी मंगलवार को 12 वजे के बाद अपने लॉगइन आईडी का इस्तेमाल करके सीट अलॉटमेंट देख सकते हैं।

14 सितंबर तक जमा कर सकते हैं फीस

LU : बीटेक, बीफार्मा, एमसीए की काउंसलिंग कल से

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** एलयू में बीटेक, बीफार्मा और एमसीए पाठ्यक्रमों में काउंसलिंग बुधवार से शुरू होगी। इससे पहले तीनों कोर्सों की कट ऑफ मंगलवार को जारी की दी जाएगी। एलयू प्रवक्ता डॉ.दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि तीनों कोर्सों के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया खत्म हो चुकी है। इसमें बीटेक के लिए जेईई मेंस, बीफार्मा में सीयूईटी यूजी व एमसीए में सीयूईटी पीजी क्वालिफाई अभ्यर्थियों के आवेदन लिए गए हैं। बीटेक की 480 सीट पर 2600, बीफार्मा की 100 सीट पर 300 और एमसीए की 30 सीट पर 145 आवेदन आए हैं। एलयू मंगलवार को इन तीनों कोर्सों की कट ऑफ जारी कर देगा। इसके बाद एलयू न्यू कैंपस में ऑफलाइन काउंसलिंग शुरू होगी। यह काउंसलिंग 17 सितंबर तक चलेगी।

तीनों कोर्सों में आज जारी होगी कट ऑफ

प्रफेसर को शोध के लिए मिला अनुदान

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू के रसायन विज्ञान के असोसिएट प्रफेसर नीरज मिश्र को विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान, नई दिल्ली की ओर से 30 लाख रुपये अनुदान शोध करने के लिए दिया गया है। उन्हें यह अनुसंधान तीन वर्ष में पूरा करना होगा। नीरज मिश्र ने बताया कि लेट-स्टेज सिंथेसिस ऑफ हेटेरोसाइक्लिक ड्रग कैंडिडेट्स वाया एलीलेशन और एनाल्यूशन यूजिंग 4-डी ट्रांजिशन मेटल्स विषय पर शोध करेंगे।

बीटेक, बीफार्मा का रिजल्ट जारी

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू में सम सेमेस्टर परीक्षा के तहत बीटेक सिविल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सीएसई-एआई, मेकैनिकल और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के चतुर्थ सेमेस्टर के नतीजे जारी कर दिए हैं। इसके अलावा एमबीए फाइनेंस एंड अकाउंटिंग के दूसरे और बीफार्मा व एमएससी स्टेटिस्टिक्स के चौथे सेमेस्टर का रिजल्ट वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू:एकेडमिक काउंसिल की बैठक आज, कई निर्णय होंगे

तैयारी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को एकेडमिक काउंसिल की बैठक होगी। इसमें संशोधित पीएचडी अध्यादेश, कई डिग्री कार्यक्रम, वोकेशन और को-करिकुलर कोर्स समेत कई अहम मुद्दों पर फैसला होगा।

एलयू ने यूजीसी की नई गाइडलाइंस के तहत संशोधित पीएचडी अध्यादेश तैयार किया है। इसके अनुसार नेट-जेआरएफ पास अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा से छूट, महिला और दिव्यांग अभ्यर्थियों को थीसिस जमा के लिए अतिरिक्त समय देने संबंधी प्रावधान हैं। इसे एकेडमिक काउंसिल के सामने रखा जाएगा। इंटरनेशनल फैकल्टी, स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम का मसौदा रखने के साथ विजिटिंग रिसर्च पोजिशन के लिए एक स्कॉलर के आने का प्रस्ताव भी पेश होगा।

एलयू ने विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू कर ट्विनिंग, डुअल और ज्वाइंट डिग्री की रूपरेखा बनाई है। इसी तरह स्नातक स्तर पर विभिन्न वोकेशनल पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं। इन सभी मुद्दों को एकेडमिक काउंसिल के सामने मंजूरी के लिए रखा जाएगा। इसके बाद एलयू में ट्विन, डुअल और ज्वाइंट डिग्री की शुरुआत होगी। विवि में एकेडमिक काउंसिल की बैठक में सभी संकाय से पास प्रस्तावों को भी मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

एजेंडा की समरी मिली, कैसे लेंगे फैसला : एकेडमिक काउंसिल के मद्देनजर एलयू प्रशासन द्वारा जारी एजेंडे पर शिक्षकों में नाराजगी है। उनका कहना है कि एजेंडे में मुद्दों पर स्पष्टता नहीं है, सिर्फ एजेंडे की समरी मिली है। पहले शिक्षकों को हार्ड कॉपी में पूरा एजेंडा मिलता था या ईमेल किया जाता था।

एलयू : कुलपति ने गिनाई उपलब्धियां

लखनऊ। एलयू में मंगलवार को विश्वविद्यालय सभा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उप्र शासन द्वारा नामित एमएलए-एमएलसी शामिल हुए। यहां कुलपति ने विवि की उपलब्धियां बताई। प्रशासनिक, प्रवेश और परीक्षा संबंधित कार्यों के बारे में जानकारी दी। कुलपति प्रो. आलोक राय की अध्यक्षता में बैठक रखी गई। इसमें एमएलसी पवन सिंह, एमएलए आशीष सिंह आशू, रविदास मेहरोत्रा, अदिति सिंह, योगेश शुक्ला, बंबा लाल रहे।

पीजी के 14 विषयों में तीसरा सीट आवंटन आज

दाखिले की दौड़

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय की परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के तहत कई विषयों में सीटों का आवंटन मंगलवार को होगा। इसके लिए अभ्यर्थियों को 14 तक फीस जमा करने का मौका मिलेगा। एलयू में पीजी के लिए तीसरा, चतुर्थ और पांचवां सीट आवंटन मंगलवार को जारी होगा। अभ्यर्थी 12 बजे के बाद लॉग इन आईडी से सीट अलॉटमेंट देख सकेंगे।

एमएससी कंप्यूटर साइंस, फॉरेंसिक साइंस, भौतिक व प्राणि विज्ञान और बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस और एमए मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र, भूगोल, भू-विज्ञान, हिंदी, अस्पताल प्रबंधन, लोक प्रशासन, समाज कार्य और एमआईएच में भी तीसरी बार सीटें आवंटित होंगी। एमए, एमएससी के नौ विषयों में चतुर्थ सीट अलॉटमेंट घोषित होगा, जबकि एमकॉम, एमपीएच में पांचवां सीट आवंटन का ऐलान होगा। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि 14 की रात 12 बजे तक ऑनलाइन फीस जमा देने का मौका मिलेगा।

वहीं एलयू में बीटेक सिविल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सीएसई-एआई, मेकैनिकल और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विषय के चतुर्थ सेमेस्टर के नतीजे जारी कर दिए हैं। एमबीए फाइनेंस एंड अकाउंटिंग के दूसरे और बीफार्मा व एमएससी स्टेटिस्टिक्स के चतुर्थ सेमेस्टर के परिणाम भी जारी कर दिए गए हैं।

बीटेक, बीफार्मा की कट ऑफ आज, काउंसलिंग कल से : एलयू में इंजीनियरिंग, फार्मेसी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कट ऑफ मंगलवार को जारी होगी। बुधवार से काउंसलिंग होगी।

डॉ. नीरज को 30 लाख का शोध अनुदान

लखनऊ। एलयू के रसायन विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नीरज मिश्रा को रिसर्च के लिए 30 लाख अनुदान मिला है। नई दिल्ली के विज्ञान व अभियांत्रिकी अनुसंधान की ओर से उन्हें शोध के लिए ग्रांट दी गई है। प्रो. डॉ. नीरज के मुताबिक अनुदान से वह लेट-स्टेज सिंथेसिस ऑफ हेटेरोसाइक्लिक ड्रग कैंडिडेट्स वाया एलीलेशन और एनाल्यूशन यूजिंग 4-डी ट्रांजिशन मेटल्स विषय पर रिसर्च करेंगे।

i-NEXT PAGE 4

डॉ. नीरज मिश्र को अनुदान

LUCKNOW (11 Sep): लखनऊ यूनिवर्सिटी के रसायन विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नीरज कुमार मिश्र को विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान नई दिल्ली की ओर से 30 लाख का अनुदान मिला है. यह अनुदान लेट-स्टेज सिंथेसिस आफ हेटेरोसाइक्लिक ड्रग कैंडीडेट्स वाया एलीलेशन और एनाल्यूशन यूजिंग 4-डी ट्रांजिशन मेटल्स विषय पर प्रोजेक्ट के लिए दिया गया है. डॉ. नीरज डीएसटी-एसआरजी के अंतर्गत तीन वर्ष के लिए अनुसंधान करेंगे.

बीटेक, बीफार्मा, एमसीए में सीधे प्रवेश का मौका

LUCKNOW (11 Sep): लखनऊ यूनिवर्सिटी में इस साल बीटेक प्रोग्राम में रिकॉर्ड तोड़ आवेदन आए हैं. एलयू में 480 सीट्स पर 2500 से अधिक आवेदन आ चुके हैं. एलयू बीटेक, बीफार्मा और एमसीए में दाखिले एकेटीयू की काउंसिलिंग से लेता था, लेकिन इस साल संबद्धता पर फंसे पेंच के कारण एलयू ने तीनों कोर्स में सीधे दाखिले का फैसला लिया. इस फैसले के बाद 7 सितंबर तक आवेदन का मौका दिया था. जिसके बाद बीटेक में करीब 2600, वहीं बीफार्मा की 100 सीटों पर 300 के करीब आवेदन और एमसीए की 30 सीटों पर 150 के करीब आवेदन आए हैं. आवेदनों की बढ़ी संख्या के बाद विवि प्रशासन ने खुशी जाहिर की है. आवेदनों के बाद 12 सितंबर को वेबसाइट पर कोर्स की कटऑफ सूची जारी करने के बाद 13 सितंबर से ऑफलाइन काउंसलिंग शुरू की जाएगी, जो 17 सितंबर तक चलेगी.

एलयू ने जारी किया रिजल्ट

पीजी कोर्स में मास्टर इन पब्लिक हेल्थ कम्युनिटी मेडिसिन, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, एमकॉम अप्लाइड इकोनॉमिक्स और एमकॉम कॉमर्स की 5 सीट अलॉटमेंट का रिजल्ट जारी कर दिया है. स्टूडेंट्स मंगलवार को अपने लॉगिन आईडी से रिजल्ट देखने के बाद 14 सितंबर तक फीस जमा कर सकते हैं.

JAGRAN CITY PAGE III

एम.एससी., बी.टेक., बी.फार्मा का परिणाम जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने कई विषयों के परिणाम सोमवार को जारी कर दिए। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के अनुसार इसमें एम.एससी. सांख्यिकी, बी.फार्मा, बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सीएसई-ए आइ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग व कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग चौथे सेमेस्टर, एमबीए फाइनेंस एंड अकाउंटिंग दूसरे सेमेस्टर का परिणाम शामिल है। (जासं)

कैडेट्स की सूची जारी

लखनऊ : लवि ने 64 बीएन एनसीसी में चयनित कैडेट्स की सूची सोमवार को जारी कर दी है। अभ्यर्थी विविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर सूची देख सकते हैं। (जासं)

कक्षाएं कल से

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में एमए समाजशास्त्र प्रथम सेमेस्टर में दाखिले के लिए अभिलेख सत्यापन की प्रक्रिया जारी है। इनमें नए सत्र की कक्षाएं 13 सितंबर से शुरू होंगी। समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर डीआर साहू ने बताया कि कक्षाओं के लिए समय सारिणी जारी कर दी गई है। सुबह 10 बजे से प्रथम सेमेस्टर की पढ़ाई शुरू होगी।

लवि : विद्यार्थी ले सकेंगे तीन तरह की डिग्रियां

डुअल, संयुक्त व ट्विनिंग डिग्री देने के प्रस्ताव एकेडमिक काउंसिल में मिलेगी मंजूरी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को जल्द ही तीन तरह की डिग्री लेने की सुविधा मिल सकेगी। इनमें डुअल, संयुक्त व ट्विनिंग डिग्री प्रोग्राम शामिल हैं। मंगलवार को एकेडमिक काउंसिल की बैठक में नियमों को अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। इन प्रोग्राम के माध्यम से छात्र-छात्राएं एक साथ कई डिग्रियां प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उनके शैक्षिक व करियर की संभावनाएं बढ़ेंगी।

ट्विनिंग डिग्री प्रोग्राम: लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को भारत और विदेशी संस्थानों में जा कर पढ़ाई करने की अनुमति देगा। लेकिन डिग्री लखनऊ विश्वविद्यालय से ही मिलेगी। डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि इन डिग्रियों की पूरी तरह से विदेशी संस्थान से मिलने वाली डिग्री से कम लागत पर डिजाइन किया गया है।

संयुक्त डिग्री: इसके लिए दोनों विश्वविद्यालय साझा पाठ्यक्रम डिजाइन करेंगे। एक संयुक्त एकल प्रमाणपत्र दिया जाएगा, जिसमें दोनों संस्थानों के नाम दिए जाएंगे। संयुक्त डिग्री के लिए छात्र-छात्राओं को भारतीय और विदेशी संस्थानों में से प्रत्येक से कम से कम 30 प्रतिशत क्रेडिट अर्जित करना होगा।

डुअल डिग्री प्रोग्राम : इसमें दोनों संस्थान अपनी-अपनी डिग्री प्रदान करेंगे। दोनों संस्थानों की डिग्री आवश्यकताओं के पूरा होने पर समय-समय पर प्रदान की जाएगी। हालांकि, छात्र-छात्राओं को कम से कम 30 प्रतिशत क्रेडिट लखनऊ विश्वविद्यालय से अर्जित करने होंगे।

लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में विधान परिषद एवं विधान सभा सदस्यों की बैठक हुई • सौजन्य से लवि

'आर्थिक स्थिति में सुधार को पूर्व छात्रों का सहयोग लें'

डुअल, संयुक्त और ट्विनिंग डिग्री प्रोग्राम विश्वविद्यालय की शैक्षिक उत्कृष्टता और वैश्विक शिक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारी कोशिश छात्र-छात्राओं के लाभ के लिए और अधिक विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग को प्रोत्साहित करने पर है।
प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन हाल में सोमवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में शासन की ओर से नामित विधान परिषद एवं विधान सभा सदस्यों की विश्वविद्यालय सभा की बैठक हुई। इसमें सदस्यों ने विश्वविद्यालय के सहयोग के लिए हमेशा उपलब्ध रहने की बात कही। यह भी कहा कि पूर्व छात्रों का सहयोग लेते हुए विश्वविद्यालय की आर्थिक स्थिति में सुधार करना चाहिए।

बैठक में विधान परिषद सदस्य पवन कुमार सिंह, विधान सभा सदस्य आशीष कुमार सिंह 'आशू', रविदास मेहरोत्रा, अदिति सिंह, योगेश शुक्ला, बंबा लाल उपस्थित थे। कुलपति ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से लेकर प्रवेश प्रक्रिया, अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक साझेदारी को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर सदस्यों को अवगत कराया। सभी सदस्यों ने लवि के विकास पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. संगीता साहू, कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह, वित्त अधिकारी हिमानी चौधरी, परीक्षा नियंत्रक विद्यानन्द त्रिपाठी एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

● लखनऊ विश्वविद्यालय में विधान परिषद सदस्य एवं विधान सभा सदस्यों की हुई बैठक

लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी के 27 विषयों में सीट आवंटन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय परास्नातक के 14 विषयों में तीसरा, नौ विषयों में चौथा और चार विषयों में पांचवां सीट आवंटन मंगलवार को दोपहर 12 बजे के बाद जारी करेगा। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर की ओर से इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया है।

प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एम.ए एआइएच, एम.ए साइकोलाजी, एम.ए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एम.ए एजुकेशन, एम.ए जाग्रफी, एम.ए हिंदी, मास्टर सोशल वर्क, मास्टर हास्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, बीलिब साइंस, एम.एससी कम्प्यूटर साइंस, एम.एससी फारेंसिक साइंस, एम.एससी जियोलाजी, एम.एससी फिजिक्स व एम.एससी जूलाजी में तीसरा आवंटन किया जाएगा। वहीं, एम.ए अर्थशास्त्र, एम.ए अंग्रेजी, एम.ए पालिटिकल साइंस, एम.ए समाजशास्त्र, मास्टर जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, एम.एससी मैथमेटिक्स, एम.एससी केमिस्ट्री, एम.एससी बायो केमिस्ट्री व एम.एससी अप्लाइड जियोलाजी में चौथा सीट आवंटन होगा। सीट आवंटन के बाद अभ्यर्थी 14 सितंबर की रात 12 बजे तक फीस जमा कर सकते हैं।

इनमें पांचवां सीट आवंटन : मास्टर पब्लिक हेल्थ कम्युनिटी मेडिसिन, एम.एससी बायोटेक्नोलाजी, एमकाम अप्लाइड इकोनमिक्स, एमकाम कामर्स में पांचवां सीट आवंटन किया जाएगा। इसमें भी 14 सितंबर तक फीस जमा की जा सकेगी।

14 सितंबर को रात 12 बजे तक रहेगा फीस जमा करने का मौका

शोध के लिए 30 लाख रुपये का अनुदान

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डा. नीरज कुमार मिश्र को विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान नई दिल्ली की ओर से शोध के लिए 30 लाख रुपये का अनुदान मिला है। डिपार्टमेंट आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी (डीएसटी)-एसआरजी के तहत यह अनुदान तीन साल के शोध के लिए स्वीकृत किया गया। प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि डा. नीरज लेट-स्टेज सिंथेसिस आफ हेटेरोसाइक्लिक ड्रग कैंडिडेट्स वाया एलीलेशन और एनाल्यूशन यूजिंग 4-डी ट्रांजिशन मेटल्स विषय पर काम करेंगे। इससे पहले भी उन्हें अन्य अनुसंधान के लिए तीस लाख रुपये स्वीकृत हो चुके हैं। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि यहां के शिक्षकों को अनुसंधान के लिए डीएसटी से मिले अनुदान से विद्यार्थियों को शोध करने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा।

PIONEER PAGE 3

एलयू को आर्थिक दृष्टिकोण से मजबूत बनाने को लेकर माननीयों ने दिए सुझाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन कक्ष में सोमवार को विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नामित माननीय विधान परिषद सदस्य एवं विधान सभा सदस्यों की विवि सभा की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में पवन कुमार सिंह, सदस्य विधान परिषद, आशीष कुमार सिंह आशू, सदस्य विधान सभा रविदास मेहरोत्रा, सदस्य विधान सभा अदिति सिंह, सदस्य विधान सभा योगेश शुक्ला, सदस्य विधान सभा बंबा लाल उपस्थित थे।

यूनिवर्सिटी कोर्ट की बैठक में माननीयों का स्वागत करते हुए विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विवि को नैक ए डबल प्लस ग्रेड मिलने, टाइम्स हायर एजुकेशन में भी स्थान प्राप्त करने की जानकारी देने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ एकडेमिक साझेदारी को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर उनको अवगत कराया। जिसके बाद विवि को आर्थिक दृष्टिकोण से मजबूत बनाने को लेकर माननीयों की राय ली गयी। बैठक में सदस्य विधान परिषद पवन सिंह चौहान ने विवि में सांध्यकालीन कक्षाओं के संचालन से लेकर नये स्ववित्तपोषित कोर्स को शुरू करने पर बात की। वहीं विधान परिषद सदस्य अदिति सिंह ने लखनऊ के एनआरआई के बीच पैठ बनाने की बात की। उनका कहना था कि विवि के ऐसे छात्र जो एनआरआई हैं, उनसे संपर्क कर फंड हासिल करने में मदद ली जा सकती है। विधान परिषद सदस्य आशीष सिंह आशू ने एनआरआई की एलुमिनाई मीट करने का सुझाव दिया। उनका कहना था कि जैसे यहां एलुमिनाई मीट होती है, उससे हटकर विदेश में रह रहे लोगों की एक-एक कर मीट की जाये, उनके बीच जाना चाहिए, जिससे विवि के आर्थिक सोर्स को सुदृढ़ किया जा सके।

शोध के लिए लविवि शिक्षक को मिला अनुदान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ के रसायन विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ नीरज कुमार मिश्र को विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान नई दिल्ली द्वारा लेट.स्टेज सिंथेसिस आफ हेटेरोसाइक्लिक ड्रग कैंडिडेट्स वाया एलीलेशन और एनाल्यूशन यूजिंग 4.डी ट्रांजिशन मेटल्स विषय पर परियोजना के अनुदान प्रदान किया गया। डॉ नीरज को डीएसटी.एसआरजी के अन्तर्गत तीन वर्ष के लिए अनुसंधान के लिए तीस लाख रूपये का अनुदान स्वीकृत किया गया। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक राय ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों में प्रतिभा की कमी नही है।

THE PIONEER PAGE 2

Supervisors for LU PhD scholars from beginning

Lucknow (PNS): While preparing its PhD Ordinance-2023, the University of Lucknow is paying special attention to simplification of the process in favour of the student and strengthening research quality of the associated colleges.

"In the previous PhD ordinances, a supervisor was allocated after a duration of almost six months, when the students had finished their course work and its assessment. In interactions with the doctoral students as well as other faculty members, we got the feedback that the delayed allocation was leading to a delay in the start of the research work and was also causing confusion and uncertainty for the students," Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai said. "After thorough discussions, we decided that the students entering our doctoral programme should be allocated a supervisor in the beginning itself. It will be facilitated via an interaction of students and respective departments," Rai said.

"This initiative will allow students to start working on their doctoral topics six months in advance, giving them a much-needed push towards early submission and quality work. Course work normally entails involvement for only a couple of hours a day. This will lead to better time management and a stress-free start," Dean, Academics, Prof Geetanjali Mishra said.

Other than this initiative favouring the students, LU is also proposing in the draft PhD ordinance the continuous emboldening of research in its associated colleges that run post-graduate programmes in relevant subjects.

"We are as committed to providing research opportunities to our fellow faculty members in associated colleges as we were in the past. The enabling of research in colleges also bodes well for their performance during NAAC accreditation as well as NIRF rankings. We hope and desire that such policy initiatives by the university push more colleges to plan for accreditation and ranking," the vice-chancellor said.

AMRIT VICHAR PAGE 4

लखनऊ विवि में ड्यूल, जॉइंट व ट्विनिंग डिग्री प्रोग्राम होंगे संचालित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● **छात्रों को विदेशी संस्थानों में जाकर पढ़ाई करने का मिलेगा अवसर**

अमृत विचार : लखनऊ विश्व विद्यालय ने ड्यूल, जॉइंट और ट्विनिंग डिग्री प्रोग्राम प्राप्त करने के नियमों को अपने शैक्षिक परिषद में शामिल किया है। इन प्रोग्राम्स के माध्यम से छात्र एक साथ कई डिग्रियां प्राप्त कर सकते हैं। इससे उनके शैक्षिक और करियर की संभावनाएं बढ़ जाएंगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने यूजीसी नियमों के तहत इन नियमों का गठन किया है, जो लगभग एक साल पहले घोषित किए गए थे। ट्विनिंग कार्यक्रम लविवि के छात्र भारत और विदेशी संस्थानों में जा कर पढ़ाई करने की अनुमति देते हैं, लेकिन डिग्री लखनऊ विश्वविद्यालय से ही मिलेगी। जबकि जॉइंट डिग्री के लिए दोनों विश्वविद्यालय साझा पाठ्यक्रम डिजाइन करेंगे और एक संयुक्त एकल प्रमाणपत्र दिया जाएगा। जिसमें दोनों संस्थानों के नाम दिए जाएंगे। ज्वाइंट डिग्री के लिए छात्रों को भारतीय और विदेशी संस्थानों में से प्रत्येक से कम से कम 30 प्रतिशत क्रेडिट कमाना होगा। ड्यूल डिग्री प्रोग्राम के तहत दोनों संस्थान अपनी-अपनी डिग्री देंगे और दोनों संस्थानों के डिग्री आवश्यकताओं के पूरा होने पर समय-समय पर दी जाएगी। इस प्रकार के प्रोग्राम एक छात्र को एक ही विषय और समान स्तर के कोर्स के लिए दो डिग्रियों की पढ़ाई करने की अनुमति देंगे। पिछले वर्ष विश्वविद्यालय को नैक ए ग्रेड प्राप्त मिलने के कारण लविवि को इस पाठ्यक्रम को लांच करने की अनुमति मिली है।

पीजी पाठ्यक्रमों की मेरिट लिस्ट जारी

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीजी के अलग-अलग पाठ्यक्रमों की मेरिट लिस्ट जारी की है। एमए (एमआईएच), एमए (फिजियोलॉजी), एमए (पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन), एमए (एजुकेशन), एमए (भूगोल), एमए (हिंदी), मास्टर सोशल वर्क, मास्टर हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, बीलिब (साइंस), एमएससी (कंप्यूटर साइंस), एमएससी (फारेंसिक साइंस), एमएससी (जियोलॉजी), एमएससी (फिजिक्स), एमएससी (जुलॉजी) की तीसरी मेरिट लिस्ट जारी हुई है। एमए (इकोनामिक्स), एमए (अंग्रेजी), एमए (पालिटिक्ल साइंस), एमए (सोशियोलॉजी), मास्टर जर्नलिस्म एंड मास कम्यूनिकेशन, एमएससी (गणित), एमएससी (बायोकेमेस्ट्री) और एमएससी (एप्लाइड जियोलॉजी) की चौथी मेरिट लिस्ट जारी हुई है। इसके अलावा मास्टर पब्लिक हेल्थ कम्यूनिटी मेडिसिन, एमएससी (बायोटेक्नोलॉजी), एमकाम (एप्लाइड इकोनामिक्स) और एमकाम (कामर्स) की पांचवीं मेरिट लिस्ट जारी हुई है। अभ्यर्थी 14 तक फीस जमा कर सकते हैं। इसके अलावा एमएससी (स्टैटस्टिक्स), बी फार्मा, एमबीए (फाइनेंस एंड अकाउंटिंग), बीटेक (सिविल इंजीनियरिंग), बीटेक (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन), बीटेक (सीएसई ए1), बीटेक (मेक्निकल इंजीनियरिंग) और बीटेक (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) में अलग-अलग सेमेस्टर का परीक्षाफल जारी हुआ है।

कुलपति ने विश्वविद्यालय की उपलब्धि बताई

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में विधान परिषद और विधानसभा सदस्यों को बताया। इस दौरान विधान परिषद सदस्य पवन कुमार सिंह, एमएलए आशीष कुमार सिंह आशू, रविदास मेहरोत्रा, अदिति सिंह, योगेश शुक्ला, बंबा लाल आदि मौजूद रहे। सदस्यों ने कहा कि पूर्व छात्रों का सहयोग लेते हुए विश्वविद्यालय की आर्थिक स्थिति में सुधार करना चाहिए।

डॉ. नीरज मिश्र को अनुसंधान के लिए मिला अनुदान

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के एसोसिएट प्रो. डॉ. नीरज कुमार मिश्र को विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान की ओर से लेट-स्टेज सिंथेसिस आफ हेटेरोसाइक्लिक ड्रग कैंडिडेट्स वाया एलीलेशन और एनाल्यूशन यूजिंग 4-डी ट्रांजिशन मेटल्स विषय पर परियोजना के लिए अनुदान दिया गया। डॉ. नीरज को तीस लाख रुपए का अनुदान स्वीकृत किया गया। इससे पहले भी डॉ. नीरज को अन्य अनुसंधान के लिए 30 लाख रुपये स्वीकृत हो चुके है।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

विवि कोर्ट की बैठक में पहुंचे 6 विधायक

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय की यूनिवर्सिटी कोर्ट के लिए पिछले दिनों उत्तर प्रदेश शासन द्वारा छह विधायकों को नामित किया गया था, उन सभी छह विधायकों ने पहली बैठक में भाग लिया। विश्वविद्यालय सभा की बैठक में विधायक रविदास मेहरोत्रा, श्रीमती अदिति सिंह, आशीष कुमार सिंह आशू, पवन कुमार सिंह, योगेश शुक्ला, बंबा लाल और विधान परिषद सदस्य पवन कुमार सिंह विश्वविद्यालय के नियमों और अन्य बातों की जानकारी ली। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नामित विप सदस्य एवं विस सदस्यों की विवि सभा की बैठक हुई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया एवं विश्वविद्यालय की उपलब्धियों नैक ए प्लस प्लस ग्रेड प्राप्त होना, विभिन्न अन्य संस्थाओं जैसे एनआईआरएफ, टाइम्स हायर एजुकेशन में भी स्थान प्राप्त करना, विश्वविद्यालय का अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के बीच प्रसिद्ध होना और उन छात्रों का प्रदेश में सबसे अधिक संख्या में लविवि में प्रवेश लेना एवं अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ एकेडेमिक साझेदारी को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर उनको अवगत कराया। कुलपति ने प्रशासनिक, प्रवेश और परीक्षा संबंधी कार्यों से अवगत कराया। विधान परिषद सदस्य एवं विधान सभा सदस्यों ने लविवि के उत्थान/विकास पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की एवं कुलपति को इसके लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दी और ताली बजाकर प्रशंसा की।

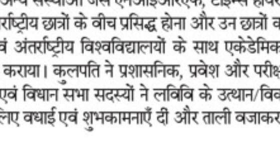

TOI PAGE 3

Dual degree LU courses from '23-24

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University students will be able to pursue dual degrees from the academic session 2023-24.

Academic council will give its final nod to the proposal at a meeting to be held on Tuesday. Under the dual degree programme the students will be allowed to pursue two academic courses simultaneously.

The meeting will also give its final nod to a proposal to introduce a 'twinning degree programme' under which students will get an opportunity to spend some time at a foreign university and get insights into the course they are enrolled at LU.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

कुलपति ने जन प्रतिनिधियों को दी व्यवस्था की जानकारी

● **लविवि कुलपति ने शासन से नामित एमएलसी और एमएलए के साथ की बैठक**

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के मंथन कक्ष में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में लखनऊ विश्वविद्यालय में शासन से नामित विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) और विधान सभा सदस्यों (एमएलए) की विश्वविद्यालय सभा की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में विधायक अदिति सिंह, विधायक आशीष कुमार सिंह आशू, विधायक रविदास मेहरोत्रा, विधायक योगेश शुक्ला, विधायक बंबा लाल और एमएलसी पवन कुमार सिंह उपस्थित रहे। कुलपति ने सभा को संबोधित करते हुए उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया एवं विश्वविद्यालय की उपलब्धियों नैक ए++ ग्रेड प्राप्त होना, विभिन्न अन्य संस्थाओं जैसे एनआईआरएफ टाइम्स हायर एजुकेशन में भी स्थान प्राप्त करना, विश्वविद्यालय का अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के मध्य प्रसिद्ध होना और उन छात्रों का उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक संख्या में लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना एवं अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ एकेडेमिक साझेदारी को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर उनको अवगत कराया।

कुलपति ने प्रशासनिक, प्रवेश और परीक्षा संबंधी कार्यों से भी उनको अवगत कराया। विधान परिषद सदस्य एवं विधान सभा सदस्यों ने लखनऊ विश्वविद्यालय के उत्थान/विकास पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की एवं कुलपति को इसके लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और ताली बजाकर भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सहयोग के लिए वे हमेशा उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों का सहयोग लेते हुए विश्वविद्यालय की आर्थिक स्थिति में सुधार करना चाहिए। इस बैठक में डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. संगीता साहू, कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह, वित्त अधिकारी हिमानी चौधरी, परीक्षा नियंत्रक विद्या नंद त्रिपाठी एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

लविवि के डॉ. नीरज को अनुसंधान के लिए 30 लाख का अनुदान

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ के रसायन विज्ञान के डॉ. नीरज कुमार मिश्र को विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान नई दिल्ली के तत्वावधान में लेट-स्टेज सिंथेसिस आफ हेटेरोसाइक्लिक ड्रग कैंडिडेट्स वाया एलीलेशन और एनाल्यूशन यूजिंग 4-डी ट्रांजिशन मेटल्स विषय पर परियोजना के अनुदान दिया। डॉ. नीरज को डीएसटी-एसआरजी के अंतर्गत तीन वर्ष के लिए अनुसंधान के लिए 30 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया। इससे पहले दो माह पूर्व भी डॉ नीरज को अन्य अनुसंधान के लिए 30 लाख रुपये स्वीकृत हो चुके है। कुल अब तक 60 लाख अनुदान मिल चुका है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक राय ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों में प्रतिभा की कमी नहीं है। यहां के शिक्षकों को अनुसंधान के लिए डीएसटी से मिले अनुदान से विद्यार्थियों को अनुसंधान करने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा। डॉ. नीरज मिश्र को दूसरी बार 30 लाख का अनुदान प्राप्त हुआ है। यह शिक्षक की मेहनत का प्रतिफल है। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. विभूति राय, रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्र, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू, डीन एकेडमिक प्रो. गीताजंलि मिश्रा सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने डॉ. नीरज कुमार मिश्र को बधाई दी।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

डॉ. नीरज को अनुसंधान के लिए मिला 30 लाख का अनुदान

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.नीरज कुमार मिश्र को विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान नई दिल्ली ने लेट-स्टेज सिंथेसिस ऑफ हेटेरोसाइक्लिक ड्रग कैंडिडेट्स वाया एलीलेशन और एनाल्यूशन यूजिंग 4-डी ट्रांजिशन मेटल्स विषय पर परियोजना का अनुदान प्रदान किया है। डॉ.नीरज को डीएसटी-एसआरजी के तहत तीन वर्ष के लिए अनुसंधान को लेकर तीस लाख रूपये का अनुदान स्वीकृत हुआ है। इससे पहले दो माह पूर्व भी डॉ.नीरज को अन्य अनुसंधान के लिए 30 लाख रूपये स्वीकृत हो चुके है। गौरतलब है, कि उन्हें अब तक कुल 60 लाख का अनुदान मिल चुका है। इस उपलब्धि पर लविवि के कुलपति प्रो.आलोक राय ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि लविवि के शिक्षकों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। यहां के शिक्षकों को अनुसंधान के लिए डीएसटी से मिले अनुदान से विद्यार्थियों को अनुसंधान करने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा। डॉ.नीरज मिश्र को दूसरी बार 30 लाख का अनुदान प्राप्त हुआ है। यह शिक्षक की मेहनत का प्रतिफल है। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो.विभूति राय, रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो.अनिल मिश्र, कुलसचिव डॉ.विनोद कुमार सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.संगीता साहू, डीन एकेडमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने डॉ. नीरज कुमार मिश्र को बधाई दी।

कुलपति ने लविवि की गिनाई उपलब्धियां

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन कक्ष में कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नामित विधान परिषद सदस्य एवं विधान सभा सदस्यों के साथ लविवि सभा की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में भाजपा एमएलसी पवन सिंह चौहान, विधायक आशीष कुमार सिंह, सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा, विधायक अदिति सिंह, विधायक योगेश शुक्ला और विधायक बंबा लाल मौजूद रहे। कुलपति ने सभा को संबोधित करते हुए उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया एवं विवि की उपलब्धियों में नैक ए प्लस प्लस ग्रेड प्राप्त होना, विभिन्न अन्य संस्थाओं जैसे एनआईआरएफ, टाइम्स हायर एजुकेशन में भी स्थान प्राप्त करना, विवि का अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के मध्य प्रसिद्ध होना और उन छात्रों का उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक संख्या में लविवि में प्रवेश लेना एवं अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक साझेदारी को बढ़ावा देने जैसे विषयों से उनको अवगत कराया। कुलपति ने प्रशासनिक, प्रवेश और परीक्षा संबंधी कार्यों की भी जानकारी दी। बैठक में विधान परिषद सदस्य एवं विधान सभा सदस्यों ने लविवि के उत्थान व विकास पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की एवं कुलपति को इसके लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा ताली बजाकर भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विवि के सहयोग के लिए वे हमेशा उपलब्ध रहेंगे। साथ ही कहा कि पूर्व छात्रों का सहयोग लेते हुए विवि की आर्थिक स्थिति में सुधार करना चाहिए।

लविवि सभा की बैठक सम्पन्न